

**सुसुपि स्त्री.** (तद्.) 1. सुषुप्ति, गहरी नींद 2. अज्ञान, आनंदपूर्ण स्थिति।

**सुसुम वि.** (तद्.) हलका गरम।

**सुसूक्ष्म वि.** (तत्.) अत्यंत सूक्ष्म, बहुत छोटा।

**सुसेन पुं.** (तद्.) 1. सुषेण 2. एक पक्षी 3. दिव्यास्त्रधारी कृष्ण या इंद्र।

**सुसेवक पुं.** (तत्.) अच्छा सेवक।

**सुसेवा स्त्री.** (तत्.) उत्तम सेवा।

**सुसेवित वि.** (तत्.) अच्छे ढंग से सेवित।

**सुसेव्य वि.** (तत्.) 1. सेवा करने योग्य 2. सरलता से अनुगमन करने योग्य।

**सुसैंधवी स्त्री.** (तत्.) सिंध प्रदेश की अच्छी घोड़ी।

**सुसौभग पुं.** (तत्.) दांपत्य सुख।

**सुस्त वि.** (फा.) 1. अस्वस्थ, ढीला, बीमार, शिथिल 2. जो भली भाँति कार्य न कर सके, कार्य के प्रति उदासीन 3. अकर्मण्य एवं मंद गति से कार्य करने वाला, आलसी 4. रोग, चिंता आदि के कारण निराशा, हताशा और उदास रहने वाला, शिथिल बदन 6. बलहीन, दुर्बल, कमजोर 7. उत्साह हीन, तेजहीन 8. जिसकी गति या वेग मंद हो गया हो।

**सुस्त रीछ पुं.** (फा.+तद्.) एक प्रकार का पहाड़ी रीछ।

**सु-स्तना वि.स्त्री.** (तत्.) 1. सुंदर स्तनों या छाती वाली स्त्री, सुस्तनी 2. जो स्त्री पहली बार रजस्वला हुई हो।

**सुस्त-पाँव पुं.** (फा.+हि.) एक प्रकार का चौपाया जंतु जो वृक्षों की शाखा में लटका रहता है और दिन भर सोता रहता है और बड़ी मंद गति से चलता है।

**सुस्ताई स्त्री.** (फा.) सुस्ती, थोड़ी देर आराम करने की स्थिति।

**सुस्ताना पुं.** (फा.+तद्.) श्रम की थकावट मिटाने के लिए अल्प-विश्राम, दम लेना।

**सुस्ती स्त्री.** (फा.) 1. सुस्त या आलसी होने की स्थिति या भाव, शिथिलता 2. रोग, चिंता आदि के कारण शरीर में ढीलापन और मन कार्य में न लग पाना 3. पौरुष का अभाव 4. बीमार होने की अवस्था।

**सुस्थ वि.** (तत्.) 1. ठीक तरह से स्थित/स्थापित 2. नीरोग, भला-चंगा, स्वस्थ 3. सभी तरह से सुखी 4. मनोहर, सुंदर, आकर्षक।

**सुस्थ चित्त वि.** (तत्.) प्रसन्नमना, सुखी।

**सुस्थता वि.** (तत्.) सुस्थ होने की स्थिति या भाव, सुस्थत्व।

**सुस्थल पुं.** (तत्.) 1. अच्छा स्थान 2. एक प्राचीन जनपद।

**सुस्थापित वि.** (तत्.) 1. अच्छी तरह से स्थापित या रखा गया 2. जीवन में अच्छी तरह से आत्म निर्भर 3. पद, वित्त, परिवार की दृष्टि से अच्छी स्थिति में होना 4. प्राचीन काल से प्रचलित, मान्य, कायम। well established

**सुस्थित वि.** (तत्.) 1. अच्छी तरह स्थित, सुस्थ 2. मजबूत, सशक्त 3. भाग्यशाली 4. स्वस्थ।

**सुस्थिति स्त्री.** (तत्.) 1. अच्छी हालत या स्थिति 2. कल्याण, मंगल 3. स्वस्थता, नीरोगता।

**सुस्थिर वि.** (तत्.) 1. दृढ़, अच्छी तरह से स्थिर 2. शांत 3. दृढ़तापूर्वक अच्छी तरह से लगा/बैठा/जमा/सटा हुआ।

**सुस्थिरा पुं.** (तत्.) 1. रक्तवाहिका, शिरा, नस 2. लाल रंग।

**सुस्ना स्त्री.** (तत्.) खेसारी, त्रिपुट।

**सुस्नात वि.** (तत्.) 1. यज्ञ, तर्पण आदि की समाप्ति पर जिसने स्नान कर लिया हो 2. स्नान करने से जो पवित्र हो गया हो, अच्छी तरह से स्नान किया गया।